।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 आषाढ़ कृष्ण पक्ष दशमी, 1-15 जुलाई 2024 , 1-15 July 2024, • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 4 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु. 2 (Price 2/-)

रोहित ने मैदान पर क्यों नहीं किया संन्यास का ऐलान?

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में संन्यास लिया। रोहित के पास मैदान पर भी संन्यास लेने का ऐलान का मौका था। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसका कारण जानकर आपके मन में उनके लिए इज्जत और भी ज्यादा बढ़ जाएगी।

कप्तान हो तो ऐसा! यह था सबसे बड़ा कारण

ब्रिजटाउन : टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया है। रोहित ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। इसी मैच में युवराज सिंह ने स्टुअर्ट ब्रॉड को 6 छक्के मारे थे। अब 17 साल बाद टी20 वर्ल्ड कप जीतकर रोहित ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। संन्यास के समय रोहित के नाम इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा छक्के और सबसे ज्यादा शतक हैं।

रोहित शर्मा को बखूबी पता था कि विराट कोहली ने संन्यास का फैसला ले लिया है, फाइनल का नतीजा चाहे जो हो। विराट कोहली ने प्लेयर ऑफ द मैच लेने के समय ही संन्यास का ऐलान कर दिया। यही वजह है कि मैच के बाद पुरस्कार वितरण में रोहित ने उन्हें वह मौका दिया और अपने संन्यास का ऐलान नहीं किया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय कप्तान ने अपने संन्यास का फैसला दुनिया को बताया।

कभी संन्यास का नहीं सोचा था

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कभी टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बारे में सोचा नहीं था लेकिन उनके अनुसार विश्व कप ट्रॉफी जीतने के साथ विदा लेने से बढ़िया क्या हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में सात रन से हराने के बाद मीडिया से बातचीत में रोहित ने कहा, मैं अपने भविष्य के बारे में इस तरह से फैसले नहीं लेता। मुझे जो भीतर से अच्छा लगता है, मैं वही करता हूं। मैं आगे के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मैंने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद भी नहीं सोचा था कि यह विश्व कप खेलूंगा या नहीं। मैंने कभी सोचा नहीं था कि टी20 से संन्यास लूंगा। लेकिन हालात परफेक्ट हैं। विश्व कप जीतकर विदा लेना बेहतर है।

दूसरी बार बने वर्ल्ड चैंपियन

रोहित 2007 में पहले विश्व कप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खिताब जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। अपने सफर के बारे में उन्होंने कहा, मुझे बताया गया कि मैंने 2007 में शुरुआत की तब भी हमने विश्व कप जीता था और अब विश्व कप के साथ विदा ले रहा हूं। जिंदगी का चक्र पूरा हो गया। मैं बहुत खुश हूं। मैं उस समय 20 साल का था। मैं खिलाड़ियों से कहता हूं कि अपनी भूमिका निभाये। मैं उस समय पांचवें-छठे नंबर पर उतरता था।

रोहित और विराट के संन्यास पर क्या बोले हार्दिक पंड्या

रोहित ने कहा कि विराट कोहली और कोच राहुल द्रविड़ को भी इस खिताब का श्रेय जाता है। उन्होंने कहा, हम सभी से ज्यादा राहुल भाई इस ट्रॉफी के हकदार थे। उन्होंने पिछले 20-25 साल में भारतीय क्रिकेट के लिये जो किया है, सिर्फ विश्व कप जीतना ही बाकी था। पूरी टीम की तरफ से मैं बहुत खुश हूं कि हम उनके लिये जीत सके। उन्होंने कहा कि विराट चैंपियन क्रिकेटर रहा है। हम सभी को पता है कि उसने हमारे लिये क्या किया है। एक समय तो सबको विदा लेना ही है और विराट इसे लेकर काफी स्पष्ट था। मैं उसके लिये बहुत खुश हूं कि उसने फाइनल में इस तरह की बल्लेबाजी की।

भारत में बचपन में ही हो जाती है 20 करोड़ लड़कियों की शादी

नई दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में 20 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं की शादी बचपन में ही हो गई थी। वैश्विक अनुमान के अनुसार 6.4 करोड़ लड़कियों और महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी, इनमें से एक तिहाई मामले अकेले भारत में हुए हैं। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पांच में से एक लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है, जबकि 25 वर्ष पहले यह संख्या चार में से एक थी। इस सुधार ने पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका है। इन प्रगतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया लैंगिक समानता के मामले में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कई महिलाओं के लिए उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। मौजूदा गति से, पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में 176 साल लगेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक जीवन स्थितियों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 169 लक्ष्यों में से केवल 17% ही 2030 की समयसीमा तक पूरे होने की राह पर हैं। 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए इन लक्ष्यों का उद्देश्य गरीबी को समाप्त करने से लेकर लैंगिक समानता प्राप्त करने तक कई तरह के मुद्दों को हल करना है। हालांकि, इनमें से लगभग आधे लक्ष्य न्यूनतम या मध्यम प्रगति दिखाते हैं, और एक तिहाई से अधिक रुके हुए हैं या पीछे जा रहे हैं। गुटेरेस ने कहा कि इसका निष्कर्ष सरल है। शांति सुनिश्चित करने, जलवायु परिवर्तन का सामना करने और अंतर्राष्ट्रीय वित्त को बढ़ावा देने में हमारी विफलता विकास को कमजोर कर रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रिपोर्ट में कुछ उम्मीद की किरणें देखी हैं, लेकिन 2030 एजेंडा को पूरा करने के लिए तत्काल और त्वरित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

अदालत को न्याय का मंदिर बताने में खतरा है, कहीं जज खुद को भगवान न मान बैठें!

नई दिल्ली : भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि जजों की तुलना भगवान से करने की परंपरा खतरनाक है क्योंकि जजों की जिम्मेदारी आम लोगों के हित में काम करने की है। सीजेआई ने कोलकाता में नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'अक्सर हमें ऑनर या लॉर्डशिप या लेडीशिप कहकर संबोधित किया जाता है। जब लोग अदालत को न्याय का मंदिर बताते हैं तो इसमें एक बड़ा खतरा है। बड़ा खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में बैठे भगवान मान बैठें।'सीजेआई ने कहा कि जब उनसे कहा जाता है कि अदालत न्याय का मंदिर होता है तो वह कुछ बोल नहीं पाते हैं क्योंकि मंदिर का मतलब है कि जज भगवान की जगह हैं। उन्होंने कहा, 'बल्कि मैं कहना चाहूंगा कि जजों का काम लोगों की सेवा करना है। और जब आप खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखेंगे जिनका काम लोगों की सेवा करना है तो आपके अंदर दूसरे के प्रति संवेदना और पूर्वाग्रह मुक्त न्याय करने का भाव पैदा होगा।' उन्होंने कहा कि

किसी क्रिमिनल केस में भी सजा सुनाते समय जज संवेदना के साथ ऐसा करते हैं क्योंकि आखिरकार किसी इंसान को सजा सुनाई जा रही है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, 'इसलिए मेरा मानना है कि संवैधानिक नैतिकता की ये अवधारणाएं महत्वपूर्ण हैं - न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जजों के लिए बल्कि जिला स्तर के जजों के लिए भी क्योंकि न्यायपालिका के साथ आम लोगों का पहला संपर्क जिले की न्याय व्यवस्था के साथ ही शुरू होता है।'उन्होंने न्यायपालिका के कामकाज में टेक्नोलॉजी के महत्व पर भी जोर दिया। सीजेआई चंद्रचूड़ के अनुसार, आम लोगों द्वारा फैसले तक पहुंच और इसे समझने में भाषा सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा, 'टेक्नॉलजी कुछ चीजों का समाधान प्रदान कर सकती है। ज्यादातर फैसले अंग्रेजी में लिखे जाते हैं। टेक्नॉलजी ने हमें उनका अनुवाद करने में सक्षम बनाया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से 200 से अधिक लोकल ट्रेन तथा 38 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने का फैसला

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे के हावड़ा खड़गपुर मंडल के अंदुल स्टेशन पर प्री नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए लोकल ट्रेनों के साथ-साथ लंबी दूरी की ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा की गई है। जिससे यात्रियों को परेशानी होने का डर रहता है. दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ओमप्रकाश चरण ने बताया कि अंदुल स्टेशन पर शनिवार से काम शुरू हो जायेगा. दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर डिवीजन के सांकराइल-संतरागाछी लिंक लाइन पर अंदुल स्टेशन पर आ-पातकालीन कार्य के लिए 29 जून से 6 जुलाई (8 दिन) तक 240 स्थानीय और लंबी दूरी की ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति के

अनुसार, इन दिनों कुल 202 लोकल ट्रेनें, 38 लंबी दूरी की ट्रेनें रद्द रहेंगी। साथ ही लंबी दूरी की 17 ट्रेनों का मार्ग बदला गया है और 10 ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव किया गया है.सोमवार 01 जुलाई को 14 लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी- मंगलवार, 2 जुलाई को 15 लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी. बुधवार, 3 जुलाई को 16 लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी। गुरुवार, 4 जुलाई को 16 ट्रेनें रद्द रहेंगी. शुक्रवार, 5 जुलाई को 62 लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी. शनिवार, 6 जुलाई को 71 लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी। दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ओमप्रकाश चरण ने कहा कि अंदुल के बाद इस साल दोबारा

ओमप्रकाश चरण
सीपीआरओ द.पू.रे.

सांतरागाछी में इस तरह का काम किया जायेगा. उन्होंने यह भी कहा कि आगे पुरी में रथयात्रा है. उससे यात्रियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा. क्योंकि पुरी जाने वाली कोई भी ट्रेन रद्द नहीं की गई है. सभी ट्रेनें पुरी के लिए चलेंगी. इस तरह के काम से ट्रेनों की स्पीड बढ़ जाएगी, जिससे यात्रियों को फायदा होगा।

हावड़ा के शरत सदन एक नंबर हल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मध्य हावड़ा के विधायक व राज्य के मंत्री अरुण राय की ओर से 10वीं व 12वीं कक्षा मे अव्वल दर्जे से उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मौजूद थे मंत्री अनूप राय बेलूर मठ,मिशन के सचिव सुवीरानंद जी महाराज वह अन्य विशिष्ट व्यक्तिगन।

INTUC *महिला वर्कर कमेटी पश्चिम बंगाल शाखा की ओर से महाजाति सदन में वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कमेटी के अध्यक्ष- शाश्वती सिंह , देविका सिंह सहित राज्य की अन्य सदस्य उपस्थित थीं। इस बैठक में अहम फैसले लिये गये।*

मां परमेश्वरी के प्रांगण में कुमारी भोज का आयोजन

अंधराठाढ़ी (सौरभ झा) : प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी वर्षों से चली आ रही पुरानी परंपरा के अनुसार मधुबनी जिला अंतर्गत अंधराठाढ़ी प्रखंड के ठाढ़ी ग्राम स्थित मां परमेश्वरी के प्रांगण में आद्रा नक्षत्र प्रवेश करने के बाद समस्त ग्रामीण के द्वारा कुमारी भोजन का आयोजन इस वर्ष भी किया गया ।जिसमें काफी संख्या में कुमारी कन्याओं ने प्रसाद ग्रहण किया ।इस अवसर पर विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है ।इस दौरान प्रसाद के रूप में आम और कटहल के साथ खीर पुरी व मिठाइयों का भोग लगाया जात है, जो बद में समस्त ग्रामीण के बीच वितरण किए जाते हैं।

लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स बनी बंगाल महिला प्रो टी-20 लीग 2024 की चैंपियन

कोलकाता : लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स ने बंगाल महिला प्रो टी-20 लीग 2024 के बेहद रोमांचक मुकाबले में चैंपियन टीम बनी। उसने टूर्नामेंट के फाइनल मैच में मुर्शिदाबाद कुंइस टीम को 5 रन से हराकर यह धमाकेदार जीत हासिल की। पूरे टूर्नामेंट में इस टीम के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन कर विजेता टीम बनी। मीता पॉल की अगुआई में लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स के खिलाड़ियों ने अपनी बैटिंग एवं मैदान में फिल्डिंग दोनों में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे महिला क्रिकेट में उनकी स्थिति मजबूत हुई।

ईडेन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम में रोमांचक फाइनल में लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स ने मुर्शिदाबाद कुइंस को 5 रन से हराकर बंगाल प्रो टी20 लीग का उद्घाटन महिला खिताब अपने नाम किया। कप्तान मीता पॉल ने 24 रन बनाए, लेकिन मुख्य बल्लेबाजी इप्सिता मंडल ने की, जिन्होंने 32 गेंदों पर 37 रन बनाए। आखिरी ओवर में 13 रन चाहिए थे, ममता किस्कू ने पहली गेंद पर ही अद्रिजा

का विकेट ले लिया। अगली दो गेंदों पर पांच रन आने के बाद, प्रियंका पर मुर्शिदाबाद को जीत दिलाने की जिम्मेदारी थी। लेकिन किस्कू ने धैर्य बनाए रखा और आखिरी गेंद पर प्रियंका का बेशकीमती विकेट हासिल किया और कोलकाता ने मैच 5 रन से जीत लिया। राज्य के एक प्रख्यात उद्योगपति लक्स कोज़ी के संस्थापक एवं क्रिकेट के शौकीन श्री साकेत तोदी ने कहा, 'महिला बंगाल प्रो टी-20 लीग 2024 के उद्घाटन संस्करण में लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स की जीत से हम बेहद खुश हैं एवं गर्व का अनुभव कर रहे हैं। यह जीत हमारी टीम के खिलाड़ियों और कोचों से लेकर सहयोगी स्टाफ तक हमारी पूरी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का नतीजा है। हमें उनकी इस उपलब्धि पर बेहद गर्व है। वहीं, स्टील उद्योग के जाने-माने उद्योगपति और श्याम स्टील के निदेशक और जाने-माने समाजसेवी ललित बेरीवाला ने कहा, महिला बंगाल प्रो टी- 20 लीग 2024 में लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स की जीत टीम वर्क की शक्ति का जीता जागता उदाहरण है। पूरे टूर्नामेंट में टीम के हर खिलाड़ी ने अहम योगदान दिया। हम उनकी प्रतिबद्धता, दृढ़ता और एक-दूसरे के प्रति अटूट समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं। यह जीत पूरी टीम की है और हम उनकी सफलता का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं। वहीं दूसरी तरफ, कप्तान अभिषेक पोरेल की अगुआई में खेले गये पुरुष श्रेणी के टूर्नामेंट में लक्स श्याम कोलकाता टाइगर्स पुरुष क्रिकेट टीम के खिलाड़ी बंगाल प्रो टी-20 लीग 2024 में सेमी-फाइनल मैच तक पहुंच सकी। हालांकि इस वर्ष पुरुष श्रेणी में यह टीम फाइनल तक का सफर नहीं कर सकी, लेकिन इस पूरे टूर्नामेंट में पुरुष टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। आगामी सीजन में टीम के खिलाड़ियों को इस प्रदर्शन का लाभ अवश्य मिलेगा।

पीआईबी कोलकाता ने 3 नये आपराधिक कानूनों पर एक दिवसीय कार्यशाला

कोलकाता (धरमवीर सिंह) : पीआईबी कोलकाता ने कोलकता प्रेस क्लब में तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय न्याय संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में उद्घाटन भाषण पीआईबी के अतिरिक्त महानिदेशक श्री शम्भुनाथ चौधरी द्वारा दिया गया। पश्चिम बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूडिशियल साइंसेज के प्रोफेसर फैसल फसीह ने तीन कानूनों पर अपना व्याख्यान दिया। गृह मंत्रालय के केंद्रीय जासूस प्रशिक्षण संस्थान के शिवदास सिकदर ने भी तीन नए आपराधिक कानूनों पर चर्चा की। इस कार्यशाला में देश से और भी विद्वानों ने अपना वक्तव्य रखा तथा कानून के बारे में विस्तार से मीडिया संवाददाताओं को बताया ताकि देश के प्रत्येक नागरिक इस कानून के बारे में जानकारी प्राप्त कर इसका लाभ उठा सकें।

वाल्मीकि सभागार एवं अतिथि गृह का लोकार्पण

पटना : पश्चिम चंपारण जिले में स्थित वाल्मीकि नगर में वाल्मीकि सभागार एवं अतिथि गृह का लोकार्पण किया। वाल्मीकि नगर में वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना स्थित है।

यहां पर पहाड़, जंगल एवं नदी तीनों मौजूद हैं, जिसके कारण पिछले कुछ वर्षों से वाल्मीकि नगर इको-टूरिज्म के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरा है। यहां पर्यटकों और वन्य प्रेमियों के लिए कई आकर्षक एवं मनोरम स्थल मौजूद हैं। अब यहां पर्यटकों और अतिथियों के विश्राम हेतु आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त चार अतिथि गृहों का निर्माण कराया गया है। इनके निर्माण से अब यहां आने वाले पर्यटकों को आवासन हेतु सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वाल्मीकि सभागार एवं अतिथि गृह का मेंटेनेंस भी अच्छे ढंग से करने का निर्देश दिया है।

मिथिला की धरती पर होने जा रहा है विश्व हिंदू सम्मेलन

दरभंगा : बिहार के लिए बहुत ही गौरव की बात है कि विश्व हिंदू सम्मेलन मिथिला का आयोजन गोई मिश्र लगमा थाना घनश्यामपुर जिला दरभंगा बिहार में आयोजित होने जा रहा है। जिसमें देश-विदेश के संत, विद्वान, समाज सेवक उपस्थित होंगे ।संस्कृत ,मैथिली एवं हिंदी के भजन गायक भी अपने सुमधुर संगीत से भक्तों को आनंदित करेंगे। अतः आप सभी धर्म परायण राष्ट्र भक्तों से अनुरोध है इस कार्यक्रम उपस्थित हो कार्यक्रम को सफलबनाएं वह पुण्य के भागी बने। इस विषय में विश्व हिंदू सम्मेलन मिथिला के संयोजक प्रेमचंद्र झा ने कहा कि भारत, नेपाल, बांग्लादेश, थाईलैंड, म्यांमार, भूटान एवं अन्य देश के महान विद्वान एवं संत इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए पधार रहे हैं। पूज्य जगदगुरु शंकराचार्य गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज जी° के अभियान को साकार करने के लिए, सनातनो की रक्षा के लिए व भव्य भारत के निर्माण के लिए एवं विश्व कल्याण की भावना से यह आयोजन मिथिला के पावन भूमि गोई मिश्र लगमा , थाना - घनश्यामपुर, जिला दरभंगा, बिहार में 12 जुलाई 2024, 4.30 वजे किया जा रहा है।

कोलकाता में सीए छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

कोलकाता : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के माध्यम से 22 और 23 जून 2024 को कोलकाता में सीए छात्रों के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर से 3600 से अधिक छात्रों की भागीदारी देखी गई। विश्व भर में, सीए छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रिकॉर्ड उपस्थिति स्थापित करते हुए। सम्मेलन ने भारत और विदेश के अकाउंटेंसी छात्रों को एकजुट किया, जिससे उन्हें विभिन्न देशों के साथियों के साथ जुड़ने का मौका मिला। प्रतिभागियों ने व्यापक विषयों पर पेपर के माध्यम से अपने शोध और अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की। सम्मेलन का विषय, 'दृष्टि से सृष्टि', लेखांकन समुदाय के भीतर छात्रों के क्षितिज का विस्तार करने के उद्देश्य से नवीन दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीए ने किया. आईसीएआई के अध्यक्ष रणजीत कुमार अग्रवाल, सीए के साथ। आईसीएआई के उपाध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा, सीए. (डॉ.) देबाशीष मित्रा, पूर्व अध्यक्ष, आईसीएआई, अधिवक्ता विजय कुमार झालानी, सरकार द्वारा नामित, सीए। (डॉ.) राजकुमार एस. अडुकिया, अध्यक्ष, बीओएस और सीए। ईआईआरसी की प्रबंधन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में बीओएस के उपाध्यक्ष श्रीधर मुप्पाला। कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सांता दत्ता (डीई) सम्मेलन में एक विशिष्ट अतिथि थे।

मध्य हावड़ा के तृणमूल युवा कांग्रेस के सचिव सहाम हुसैन का 33 वा जन्मदिन पालन किया गया इस अवसर पर 37 नंबर वार्ड के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष कौशिक गुमा तृणमूल के महासचिव संजय प्रसाद मध्य हावड़ा टीएमसी के अरुण चौरसिया उपाध्यक्ष मध्य हावड़ा तृणमूल युवा कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मधूबनी की रहने वाली महिला हावड़ा स्टेशन से लापाता

हावड़ा : हावड़ा जिला अंतर्गत बाली के रहने वाली मंजू देवी हावड़ा स्टेशन से 26 जून 2024 से लापाता है। बताया जा रहा है कि यह अपना पुत्र संजीव कुमार के साथ हावड़ा में रहती थी। इनका पैतृक गांव मधुबनी जिला के राम खेतारी की रहने वाली है। आप सभी किन्ही सज्जनों को उक्त महिला की जानकारी मिले तो नजदीकी पुलिस स्टेशन में या 9572834748 मोबाइल न. पर इसकी जानकारी देने का कष्ट करें।

अमरनाथ यात्रा में भारत सेवाश्रम संघ की सेवा

कोलकाता : भारत सेवाश्रम संघ की ओर से हर साल की भांति तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए इस साल भी पहल जारी है। श्री अमरनाथ दर्शन के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए जम्मू स्थित नगरोटा पंचाग्राइन में सेवा केन्द्र खोलकर लंगरखाना, शीतल पेयजल तथा प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। चन्दनवाड़ी (पहलगांव) में भी संघ की ओर से डॉक्टरों की देखरेख में मेडिकल कैम्प अगले 29 जून से खोला जायेगा। इस दौरान निःशुल्क दवा, ईसीजी, स्लाइन, ऑक्सीजन की व्यवस्था यहां की जाएगी। करीब एक महीने के लिए चाय, पानी की व्यवस्था भी की जा रही है। तीर्थयात्रियों के सैकड़ों बेड भी जम्मू आश्रम में रखा गया है।

ई–रिक्शा को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक बच्ची मौत

मधुबनी (कुमार गौरव) : मधुबनी में ई- रिक्शा को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक दस वर्षीया बच्ची की हुई मौत हो गई। घटना ललमनियां थाना क्षेत्र में डुबोरबोना में 20 जून को ई-रिक्शा लगाने को लेकर दो पक्षों में कहा सूनी होते-होते हिंसक झड़प का रूप ले लिया। मिली जानकारी के अनुसार बात इतनी बढ़ गई की मारपीट में उसी गांव के वार्ड-3 के मो. मुस्तकीम के दस वर्षीया पुत्री गुलनाज बुरी तरह जख्मी हो गई। आनन फानन में ईलाज हेतु डीएमसीएच दरभंगा में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर ईलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया। ईलाज के दौरान 23 जून को पीएमसीएच में उसकी मृत्यु हो गई। इस घटना को लेकर गांव में मातम छाया हुआ है।

क्यूरियस चैंप्स व कर्टेन अप की दूसरी प्रस्तुति द 8डे प्रोजेक्ट समर एडिशन बच्चों की प्रस्तुति ने मोहा मन

कोलकाता : क्यूरियस चैंप्स और कर्टेन अप द्वारा प्रस्तुत द 8डे प्रोजेक्ट समर एडिशन का मंचन कैफे बडी एस्प्रेसो में किया गया। इस बार तेनालीराम के किस्सों की दो कहानियां चुनी गयीं। एक थी तेनालीराम और पुरखों का बक्सा और दूसरी कहानी थी तेनालीराम और जादुई छड़ी। दोनों कहानियों की मूल कथा को बिना बदले उसे आज के सन्दर्भ में दर्शकों के सामने लाया गया। दोनों नाटकों का स्क्रिप्ट लेखन और तेनालीराम और पुरखों के बक्से का निर्देशन कार्तिकेय त्रिपाठी ने किया। दूसरी तरफ तेनालीराम और जादुई छड़ी

का निर्देशन अनुषा जलन सिंघानिया ने किया। जानकारी के लिए बता दें कि, द 8डे प्रोजेक्ट एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जहां नाटकों की तैयारी महज 8 दिनों में की जाती है और फिर उन्हें दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाता है। पिछली साल दिसंबर में इन तीनों ने मिलकर अकबर और बीरबल की कहानी बीरबल की खिचड़ी का मंचन किया था। कुल मिलाकर 6 से 10 साल की उम्र के 14 बच्चों ने अपनी नाट्य कला का प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रत्येक बच्चे के अभिनय ने लोगों की वाहवाही लूटी। विराट खेतान, अगस्त्य टेकरीवाल, हर्षवीर सिंह चांडक, अर्जुन सिंह चांडक, शौर्य अग्रवाल, कृधा गोयनका, तक्ष कानोडिया, कुशाग्र भुवालका, अहाना अग्रवाल, गुरमेहर कौर मोदी, विराज मूंधड़ा, तनिशि कोठारी, अक्षत केजरीवाल, शुभम मोहता व अन्य ने अपनी प्रस्तुति का लोहा मनवाया।

'भारतीय संविधान का काला दिन 25 जून'

हावड़ा (मयाशंकर झा) : भारतीय इतिहास का वही काला दिन 25 जून है। इसी 25/06/1975 को कांग्रेस सरकार के स्वर्गीय इन्दिरा गाँधी द्वारा अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए सम्पूर्ण देश में इमर्जेंसी लगाकर भारतीय संविधान को कुचला गया था और दोनों सदनों के सभी प्रतिपक्ष (विपक्ष) को जबरन गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इण्डियन नेशनल कांग्रेस का वह काला दिन जब भी स्मरण आता है दिल सिहर उठता है। क्या विपक्ष, क्या पत्रकार, क्या कवि-साहित्यकार, क्या विचारक, क्या दार्शनिक सभी को गिरफ्तार कर सभी के मुँह बन्द कर दिया गया था। जेल में नाना प्रकार से यातना देकर उसे अपने पक्ष में करने का वीभत्स प्रयास किया गया था। भारतीय संविधान को कुचल कर भारतीय दण्ड संहिता को कलंकित किया गया था। उस समय इण्डियन नेशनल कांग्रेस का चुनाव चिन्ह गाय-बछरा था। साधारण जनता के बोलने-लिखने की स्वतंत्रता को भी अवरुद्ध कर दिया गया था। चारों ओर गणराज्य के गणतंत्र त्राहि त्राहि कर रहा था। देश का लोकतंत्र विवश हो स्वर्गीय इन्दिरा

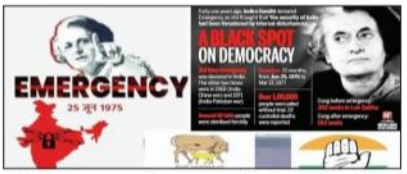

गाँधी का तानाशाह रूप देखकर शर्मिंदा था। आज उसी तानाशाह दल के उत्तराधिकारी सोनिया गाँधी जी और राहुल गाँधी जी के साथ कांग्रेस के अन्य सांसदों को हाथ में संविधान की किताब लेकर संसद भवन में प्रवेश करते देख आश्चर्य होता है और हास्यास्पद लगता है। जो लोग संविधान को कलंकित किया था वही आज संविधान बचाने की बात करता है। यह एक प्रायोजित नौटंकी नहीं तो और क्या है ?देश बहुत बड़े धर्मसंकट से गुजर रहा है। समझ में नहीं आता कि किस नेतृत्व पर भरोसा करें और किस पर नहीं ! चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा है। भ्रष्टाचार चरम प्रकाष्ठा पर है। रिश्वतखोरी और व्यभिचारी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जनता त्राहि त्राहि कर रही है। जो भी राष्ट्रवादी सरकार निर्वाचित होकर आती है उसे विपक्ष अपने चंद स्वार्थ के लिए चलने नहीं देता। देशहित गौण है, निज स्वार्थ सर्वोपरि है। भ्रष्टाचार हावी है, रिश्वतखोरी बलवती है।

हे भगवान राष्ट्रवादी निर्वाचित सरकार को ऐसे विपक्ष को संयमित करने का बल प्रदान करो ; जिससे वर्तमान राष्ट्रहितैषी सरकार पाँच वर्ष तक सराहनीय कदम उठा सके ! देश की रक्षा कर सके ! संविधान को सुरक्षित रख सके ! भारतीय दण्ड संहिता सुरक्षित रह सके ! भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को रोक सके ! राष्ट्रवादी सरकार से मेरा नम्र निवेदन है कि इस कुण्ठित प्रतिपक्ष (विपक्ष) से सावधान रहकर किसी भी परिस्थिति में किसी भी प्रकार का समझोता न करें ! देशहित में प्राण न्योछावर कर दें लेकिन विपक्ष के प्रायोजित षड्यंत्र के आगे झुकें नहीं ! देशहित सर्वोपरि है, देश बचेगा तो हम बचेंगे। जय हिन्द !

जनता दरबार में जिलाधिकारी ने जनता का समस्याओं के निदान का दिया आश्वासन

मधुबनी : जिलाधिकारी, अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा समाहरणालय स्थित कक्ष में जिले भर से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादन का निदेश दिया है! बताते चलें कि जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में कुल 110 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए थे। इसी क्रम में मधेपुर प्रखंड के पचही निवासी रामधनी ठाकुर ने मौजा पचही के एन.एच. 527 ए (विदेश्वर स्थान से भेजा खंड) में अर्जित जमीन के मुआवजा का सही भुगतान नहीं होने के लिए अमीन द्वारा गलत प्रतिवेदन देने की शिकायत की गयी है। खजौली प्रखंड के राम स्वरुप यादव द्वारा विगत 16 महीनों से विकलांगता पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की गयी है। अंधराठाढ़ी निवासी गुणेश्वर महतो एवं अन्य ग्रामीणों ने मौजा डुमरा के सरकारी सड़क को कुछ ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण करने की शिकायत के पश्चात अंचलाधिकारी द्वारा अतिक्रमण मुक्त करने के बावजूद भी कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण खाली नहीं करने की शिकायत की गयी है। मधुबनी के गंगासागर कॉलोनी निवासी विजय कुमार झा ने जेसीबी से प्रवेश द्वार को तोड़ने एवं जबरन आँगन में घुस कर मारपीट करने की शिकायत किया है। मधेपुर के करहारा निवासी सुधीर कुमार झा ने सरकारी आम रास्ता एवं पोखर को अतिक्रमण करने की शिकायत की है। अंधराठाढ़ी के रुद्रपुर निवासी गंभीर कुमार ठाकुर ने रुद्रपुर स्थित भारत गैस ग्रामीण वितरक के कर्मियों द्वारा उपभोक्ताओं से मारपीट करने एवं गैस कार्ड ब्लॉक करने की शिकायत की है।

बाबूबरही के बुधुर चौपाल द्वारा पंचायत में मुखिया द्वारा स्वच्छता अभियान पर्यवेक्षक के चयन में मनमानी करने की शिकायत किया है। बाबूबरही के मो. फारूक ने संवेदक एम.एस. इंटरप्राइजेज के द्वारा नल-जल योजना में किये गए कार्य का मजदूरी नहीं देने की शिकायत की है।

जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से सारी शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। जिलधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश भी दिए।

रोटी गिनकर क्यों नहीं बनानी चाहिए

रोटी को गिनकर बनाने के पीछे एक सबसे बड़ी वजह यह है कि इससे रोटियां बर्बाद नहीं होती लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार रोटी गिनकर बनाने को सही नहीं माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप रोटी गिनकर बनाते हैं, तो इससे आपके घर में आर्थिक तंगी आ सकती है। आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार रोटी बनाने से जुड़े नियम।

माना जाता है कि रोटी बनाना सूर्य, मंगल, राहु ग्रह और ज्योतिष से संबंधित है। रोटियों की गिनती करने से सूर्य और मंगल ग्रह कमजोर हो सकते हैं जबकि राहु का नकारात्मक प्रभाव जीवन पर पड़ता है। इन प्रभावों से बचने के लिए रोटियां बनाते समय उनकी गिनती न करने की सलाह दी जाती है।

रोटी बनाते समय दिशाओं का महत्व : रोटी से किचन की दिशा भी जुड़ी हुई होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार आपकी रसोई दक्षिण-पूर्व कोने यानी आग्नेय कोण में होनी चाहिए। रोटी बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। वहीं, कोशिश करें कि आप कभी भी दक्षिण दिशा में गैस या चूल्हा न रखें, इस दिशा में मुंह करके रोटी बनाना शुभ नहीं माना जाता।

पहली रोटी गाय के लिए निकालें : रोटी से जुड़ा एक नियम यह भी है कि पहली रोटी गाय केलिए बनाकर रख दे और जैसे ही आपको गाय दिखाई दे, गाय के लिए निकाली गई रोटियां गाय को खिला दें। गाय को रोटी खिलाने से आपके सत्कर्मों में वृद्धि होती है। साथ ही इससे आपके ग्रह भी मजबूत होते हैं। गाय को रोटी खिलाने से आपका मन शांत रहता है और गृह क्लेश भी टल जाता है।

कुत्ते के लिए भी निकाले रोटी : हिन्दू धर्म में पशु-पक्षियों का भी बहुत महत्व है, इसलिए आपको गाय के साथ कुत्ते के लिए भी रोटी निकालनी चाहिए। कुत्ते को रोटी खिलाने से आपको पुण्य मिलता है। सोचिए! किसी भी जानवर खासकर कुत्तों का जीवन कितना कष्टकारी होता है, ऐसे में अगर आप एक रोटी कुत्ते को देकर उसके कष्ट को कम करते हैं, तो इससे आप पर भगवान की कृपा होती है। साथ ही कुत्ते को रोटी खिलाने से राहु, केतु और शनि ग्रह शांत होते हैं।

इन विशेष दिनों पर न बनाएं घर में रोटी : एकादशी पर चावल खाने को वर्जित माना गया है। वहीं, शरद पूर्णिमा, शीतलाष्टमी, नागपंचमी और किसी की मृत्यु पर घर में रोटी नहीं बनाई जाती है। इसे अशुभ माना जाता है। किसी की मृत्यु पर अगर घर में रोटी बनाई जाती है, तो इससे आपकी सेहत को नुकसान पहुंचता है। साथ ही मरने वाले की आत्मा को शांति नहीं मिलती है।

लाखों में एक है ये बकरा, नाश्ते में खाता है काजू-किशमिश

नई दिल्ली : भारत में कई धर्म के लोग रहते हैं. यहां जितनी रोनक होली-दीवाली की रहती है, उतनी ही ईद की भी होती है. 17 जून को भारत में ईद उल अधा मनाया जाएगा. ईद पर बकरों की खरीद सबसे ज्यादा होती है. पहले बकरे मंडी से खरीदे जाते थे. लेकिन अब ऑनलाइन ही लोग तरह-तरह के बकरे खरीदने आते हैं. इसमें पहाड़ी से लेकर कश्मीरी बकरों की वेरायटी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है. हाल ही में भोपाल में बकरों का रैंप शो आयोजित किया गया. इसमें करीब अट्ठारह बकरे शामिल हुआ थे. हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा किंग नाम के बकरे की हुई. इस बकरे में इतनी खासियत है कि हर कोई हैरान रह गया. बकरे की एक झलक पाने के लिए लोग दूर-दूर से आए थे. मुंबई के एक कारोबारी ने इस बकरे को खरीदा. इसकी जो कीमत अदा की गई उसे जान सब हैरान रह गए.

खाने में है शौकीन : किंग बकरा कोई आम बकरा नहीं है. इसका वजन ही 171 किलो है. साथ ही ये अन्य बकरों से काफी बड़ा है. किंग बकरा आम बकरों से काफी अलग है. इसका वजन और इसकी हाइट सब नॉर्मल से काफी ज्यादा है. इस बकरे का नाश्ता भी अलग है. ये घास-फूस नहीं, बल्कि काजू, बादाम और पिश्ता खाना पसंद करता है. इसके अलावा हर दिन इसे अंजीर और खजूर भी खिलाया जाता है. इसे खरीदने के लिए कारोबारी ने इक्कीस लाख रुपये खर्च किये हैं. जी हां, सही पढ़ा आपने. इसकी कीमत 21 लाख है.

मां-बाप की इन गलतियों के चक्कर में उनसे दूर हो जाते हैं बच्चे, हाथ मलते रह जाते हैं पेरेंट्स

नई दिल्ली : हर माता-पिता अपने बच्चों के साथ मजबूत और प्यार भरा रिश्ता चाहते हैं। हालांकि, कई बार बच्चे बड़े होने पर अपने माता-पिता से दूर होते नजर आते हैं। यह दूरी भावनात्मक रूप से भी हो सकती है जहां बच्चे अपने माता-पिता से बातचीत कम कर देते हैं या फिर उनके साथ खुलकर बात नहीं कर पाते हैं।

बच्चों का भावनात्मनक स्तर पर अपने पेरेंट्स से जुड़े रहना बहुत जरूरी है क्यों कि इससे बच्चों की इमोशनल और मेंटल हेल्थ पर बहुत गहरा असर पड़ता है। अगर आप यह जान लें कि आपका बच्चा भावनात्मक स्तर पर आपसे दूर क्यों जा रहा है, तो आपके लिए इस समस्या को दूर कर पाना थोड़ा आसान हो जाएगा। इस लेख के माध्यम से हम आपको उन कारणों के बारे में बता रहे हैं जिनकी वजह से बच्चे अपने माता-पिता से दूर हो सकते हैं और साथ ही इस समस्या को सुधारने के उपाय भी जानेंगे।

भावनात्मक जुड़ाव की कमी- बच्चों को अपने माता-पिता से प्यार और स्नेह की आवश्यकता होती है। व्यस्त जीवनशैली या भावनाओं को व्यक्त करने में माता-पिता की झिझक के कारण बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ सकता है। इससे बच्चे अपने माता-पिता से दूर जाने लगते हैं। आप चाहे कितने भी बिजी क्यों न हो, आपको दिन में एक बार अपने बच्चे से अपना व्यस्तम दिनचर्या से समय निकालकर जरूर बात करना चाहिए।

कठोरता से आलोचना करना- हर बच्चा चाहता है कि उसके माता-पिता उसे प्यार करें और उसका समर्थन करें। यदि माता-पिता लगातार बच्चों की आलोचना करते हैं, उनकी गलतियों को बार-बार उजागर करते हैं, तो इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है और वे माता-पिता से दूर जाने लगते हैं। आप अपने बच्चे की उपलब्धियों पर भी ध्यान दें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है।

कभी सख्ती से पेश आना तो कभी ढीले रहने वाले माता-पिता बच्चों को असमंजस में डाल देते हैं। बच्चे समझ नहीं पाते हैं कि माता-पिता से क्या उम्मीद करें। ऐसी स्थिति में बच्चे अपने माता-पिता पर भरोसा करना कम कर देते हैं और उनसे दूरी बना लेते हैं।

माता-पिता के बीच लगातार झगड़े- सबसे महत्व-पूर्ण वह है घर में कलह का माहौल बच्चों को मानसिक रूप से परेशान करता है। माता-पिता के बीच लगातार होने वाले झगड़े बच्चों को असुरक्षित महसूस कराते हैं और वे माता-पिता से दूर जाने का रास्ता ढूंढने लगते हैं। इसके अलावा पेरेंट्स का अपने बच्चों के साथ थाड़ा टाइम न बिताना भी एक कारण है।

आज के व्यस्त जीवन में माता-पिता बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। इससे बच्चों को लगता है कि माता-पिता उनकी परवाह नहीं करते। वे अकेलेपन और उपेक्षा का अनुभव करते हैं, जिससे उनमें माता-पिता के प्रति दूरी का भाव पैदा हो जाता है।

क्या करना चाहिए?

अपने बच्चों से प्यार जताएं, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझें। उनके साथ खेलें, हंसें और खुलकर बातचीत करें। इससे बच्चों को यह महसूस होगा कि आप उनकी परवाह करते हैं और आपको उनके साथ मजबूत रिश्ता बनाने में मदद मिलेगी।

'बात हिन्दुस्तान की' में अपने संस्थान/ प्रतिष्ठान/ कार्यालय आदि का विज्ञापन प्रकाशित करवाने हेतु ह्वाट्सेप नं. 9798848926 पर संपर्क करें। खबरों के लिए हमारे वेबसाइट, यूट्यूब एवं फेसबुक पेज पर नजर रखें

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी,** फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)